हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

15 मई, 1978

खंड 1 अंक 17

अधिकृत विवरण

विषय सूची

सोमवार, 15 मई, 1978

पृष्ठसख्या

सचिव द्वारा घोषणाऐं (17) 1

व्यवस्था का प्रश्न

(17) 1

बहिर्गमन (17) 4

अध्यक्ष का चुनाव

(17) 6

नियन 18 के अधीन प्रस्ताव

(17) 16

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 1 5 मई, 1978

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर– 1, चण्डीगढ में बाद दोपहर 14. 00 बजे हुई ।

उपाध्यक्ष (कंवर विजय पाल सिंह) ने अध्यक्षता की ।

सचिव द्वारा घोषणायें

सचिव : मुझे सदन को सूचित करना है कि ब्रिगेडियर रण सिंह जी ने अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया है तथा माननीय उपाध्यक्ष महोदय से निवेदन हए कि वे चेयर ग्रहण करें ।

(The Deputy Speaker occupied the Chair).

Mr. Deputy Speaker : The Secretary to make an announcement.

सचिव : मैं उन विधेयकों को दर्शाने वाला विवरण, जो हरियाणा विधान सभा ने अपने चालू सत्र (फरवरी–मई) 1978 के दौरान पारित किये थे तथा जिन पर राज्यपाल महोदय ने अनुमति दे दी है, सादर सदन की मेज पर रखता हूं–

1. The Punjab Borstal (Haryana Amendment) Bill, 1978.

2. The Punjab Agricultural Produce Markets

(Haryana Amendment) Bill, 1978.

3. The Punjab Sugar-cane Regulation of Purchase and Supply (Haryana Amendment) Bill, 1978.

4. The Haryana (Urban Control of Rent and Eviction Amendment) Bill. 1978.

5. The Punjab Village Common Lands (Regulation) Haryana Amendment Bill, 1978.

6. The Punjab New Mandi Townships (Development and Regulation) Haryana Amendment Bill, 1978.

7. The Punjab State Aid to Industries (Haryana Amendment) Bill, 1978.

8. The Punjab Labour Welfare Fund (Haryana Amendment) Bill, 1978.

9. The Punjab Cooperative Societies (Haryana Amendment) Bill, 1978.

10. The Punjab Gram Panchayat (Haryana Amendment) Bill, 1978.

व्यवस्था का प्रश्न

Ran Birender Singh : Sir, **I** want to raise a point of order before you proceed, further डिप्टी स्पीकर साहब, असैम्बली का यह सैशन आपने बुलाया । आप रुल 1 6 देखिये । रूल 16 के तहत यह लिवा गया है कि कौंसिल आफ मिनिस्टर्ज अगर यह

फैसला करके स्पीकर को दे दें कि असैम्बली का सैशन बुलाना जरूरी है तो वह सैशन बुलायेगा । एक तो है आप से यह दरियाफत करना चाहता हू कि यह एक एमजैंट सैशन बुलाया गया हे । लेकिन इस बार हमें कोई नोटिस नहीं दिया गया है । कोई गजट पब्लिश नहीं हुआ जैसे आपके रूल 3 में और कांस्टीच्यूशन के आर्टीकल 174 के अन्दर है, यह होना लाजमी है । बहरहाल अगर यह मान लिया जाये कि एक एमरजैंसी आ गयी थी, वैसे मैं यह नहीं समझता कि स्पीकर के इलैक्शन की कोई एमरजैसी थी, हमारे लीडर साहब या डिप्टी लीडर साहब यह बतायेंगे क्योंकि हमने तो देखा है कि कौंसिल आफ मिनिस्टर्ज अभी पूरी भी नही हुई और अभी चन्द दिन हुए शायद आपके लीडर साहब का भी और डिप्टी लीडर साहब का तो मैं जानता हूं कि यह ध्यान था कि अगर हमें पार्टी की मीटिंग भी करनी होगी तो 7 दिन का नोटिस देना लाजमी है । अब यह असैम्बली का सैशन हो रहा है । आप देखिये कि एक तरफ तो पार्टी की मीटिंग के लिये श्री 7 दिन का नोटिस देना जरूरी समझते हैं और इस असैम्बली का सैशन बुलाने के लिये 48 घंटे का नोटिस ही काफी है? बगैर गजट नोटिफिकेशन के और बगैर कौंसिल ऑफ मिनिस्टर्ज की राय के डिप्टी स्पीकर साहब यह सैशन बुला ले, तस पर मुझे आपत्ति है । दूसरी बात यह है कि रूल 9 में यह प्रोवाइडिड है कि स्पीकर के इलैक्शन के लिए गवर्नर साहब डेट फिक्स करेंगे । आप बेशक पढ़ लीजिए । हमें कतई यह मालूम नहीं कि गवर्नर साहब ने डेट फिक्स की है या नहीं । जो आपका नोटिस आफ टैलीग्राम हमें

मिला है वह यह हे कि डिप्टी स्पीकर साहब ने यह सैशन बुलाया है । यह सैशन चूँकि स्पीकर के इलैक्शन के लिए है, इसलिए बहुत महत्व– पूर्ण सैशन है क्योंकि स्पीकर का इलैक्शन होना है । पार्टी मीटिंग के लिए तो आप 7 दिन का नोटिस देना जरूरी समझते हैं लेकिन असैम्बली के सैशन के लिए आप 7 दिन का नोटिस देना भी जरूरी नहीं समझते । एक तो हमें इस बात पर विचार करना है । दूसरी बात यह कि इस नोटिस से जाहिर नहीं होता कि गवर्नर साहब ने यह डेट फिक्स की है । अगर गवर्नर साहब ने स्पीकर के इलैक्शन के लिए आज की डेट मुकर्रर/फिक्स नहीं की है तब तो यह बिल्कुल ही इल्लीगल और गलत बात है । मैं इन दो प्वांयट्स के मुताल्लिक आपसे कलैरिफिकेशन लेना चाहूंगा ।

उद्योग मन्त्री (डाक्टर मंगल सैन) : मेरे माननीय मित राव बीरेन्द्र सिंह जी ने जो आपत्ति उठाई है, वहां पर उन्होंने जिस रूल का हवाला दिया हए, वह इसमें एप्लीकेबल ही नहीं है क्योंकि हाउस तो साइने–डाई ही हुआ था, हाउस अभी प्रोरोग नही हुआ था इसलिए यह आपकी विदइन कम्पीटैन्स है आप जब चाहें हाउस को बुला सकते है । यह जो इन्होंने फरमाया है कि पार्टी की मीटिंग के लिए 7 दिन का नोटिस देना लाजमी है, यह हमारी पार्टी का मामला है । डिप्टी स्पीकर साहब, उसमे इन्हे दखल देने की जरुरत नहीं हए । यहां पर तो हाउस को रूल्ज के मुताबिक चलाना है । यह, डिप्टी स्पीकर साहब, हाउस प्रोरोग नहीं

हुआ था इसलिए आपके अधिकार में है कि आप जब चाहे उसे बुलाये । दूसरे उन्होंने यह फरमाया कि गवर्नर साहब को डेट फिक्स करनी चाहिए । शायद इनकी निगाह में वह बात आयी नहीं है । बाकायदा गवर्नर साहब ने यह दिन फिक्स किया है और आपको हरेक मैम्बर को सैक्रेट्री साहब ने यह सूचित कर दिया है कि गवर्नर साहब ने आज का दिन स्पीकर के चुनाव के लिए फिक्स किया हुआ है ।

राव बीरेन्द्र सिंह : कोई नोटिस नहीं है । वह भी फरमायें कि गवर्नर साहब ने कब डेट फिक्स की थी और आपने कब वह नोटिस हमें इशू किया?

Mr. Deputy Speaker : I will read out the circular by the Secretary Haryana Vidhan Sabha for your information. It reads :

"As required under rule 9 of the rules of procedure and conduct of business in the Haryana Legislative Assembly, I am directed to inform you that the Governor has fixed Monday, the 15th May, 1978 as the date for the election of the office of the Speaker of the Haryana Vidhan Sabha, rendered vacant by the resignation of Brig. Ran Singh".

Rao Birender Singh : When was this date fixed and when did you decide to call the session ?

Mr. Deputy Speaker : It was fixed on 12th May.

Rao Birender Singh : When the notices were sent on ?

Mr. Deputy Speaker : The same day. I would invite your attention to article 163 (1) of the Constitution which reads

"There shall be a Council of Ministers with the Chief Minister at the head to aid and advice the Governor in the exercise of his functions, except in so far as he is by or under this Constitution required to exercise his functions or any of them in his discretion".

Further proviso to rule 16 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly reads :

"Provided further that a Speaker may, if it is represented to him by the Ministers that the public interest requires that the Assembly should meet at any earlier time during the adjournment and if he is satisfied that the public interest does so require, give notice that he is so satisfied and call a meeting of the Assembly before the day to which it has been adjourned or any time after it has been adjourned sine die".

Rao Birender Singh : This is a crucial point, Sir. The rule says that the Speaker is to be satisfied by the Council of Ministers. So, want to know, was the advice given by the Ministers or by the Chif Minister ?

Mr. Deputy Speaker : I was satisfied with the advice. Please sit down.

Rao Birender Singh : You have to notify that you were given the advice and you were satisfied. There was no

such gazette notification.

Mr. Deputy Speaker : He was only the member of the Cabinet. So it is correct. I was satisfied. You cannot question it. Now please sit down.

श्री शमशेर सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, जो यह नोटिस आया है, यह 10 तारीख का है । मैं इसको कोट कर देता हूं, पढ़ कर सुना देता हूं ।

"Copy forwarded, in confirmation by post, to all the Members of the Haryana Vidhan Sabha, for information. The Haryana Vidhan Sabha, which was adjourned sine die on the 5th April, 1978, shall meet at 2 p in. on Monday, the 15th May, 1978, in the Hall of the Haryana Vidhan Sabha, under the second proviso to Rule 16 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly."

रूल 18 का जो प्रोवाइजो है वह भी मैं पढ़ देता हूं । It read :

"Provided further that a Speaker may, if it is represented to him by the Ministers that the public interest requires that the Assembly should meet at any earlier time during the adjournment and if he is satisfied that the public interest does so require, give notice that he is so satisfied, and call a meeting of the Assembly before the day to which it has been adjourned or any time after it has been adjourned sine die".

There was no Council of Ministers on the 10th. Only the Chief Minister was there.

Mr. Deputy Speaker : The Chief Minister includes the Council of Ministers. Please sit down.

Shri Shamsher Singh : The Chief Minister does not comprise the

Council of Ministers. So, under the proviso to rule 16, only the Ministers could advice you to convene the Assembly. So, this convening of the Assembly is absolutely illegal.

Mr. Deputy Speaker : The Chief Minister was the only Member of the Cabinet. So it is correct.

Chaudhri Ram Lai Wadhwa : Sir, the Chief Minister represents the Council of Ministers.

Rao Birender Singh : This is going to be on record. We only request that you kindly consider all our points fully and then give a full ruling.

Mr. Deputy Speaker : I have considered that.

Rao Birender Singh : You mean to say that your ruling is final. If I may say so, you have not clarified it that the Chief Minister alone means Council of Ministers.

Mr. Deputy Speaker : As there was no member of the Cabinet other than the Chief Minister, it is correct.

बहिर्गमन

Rao Birender Singh : That there was no member of the Cabinet other than the Chief Minister in town, therefore,

the Chief Minister was the Council of Ministers....

श्री उपाध्यक्ष : आप बैठ जाइए ।

राव बीरेन्द्र सिंह : मैं बैठ कैसे जाए । जो मैंने कहा है उसका जबाब तो आप दें । (व्यवधान)

श्री शमशेर सिंह : आप किसको कौंसिल आफ मिनिस्टर्ज समझते हैं (व्यवधान)

राव बीरेन्द्र सिंह : जो कुछ मैंने कहा है उसका जवाब तो आप दीजिए....

डाक्टर मंगल सैन : बता दिया है । आपकी बात को रूल आउट कर दिया है

राव बोरेन्द्र सिंह : कायदे कानून की बात तो आप चलने दीजिए ।

डाक्टर मंगल सैन : कायदे कानून की मोनोपली तो आपके पास ही है । डिप्टी स्पीकर साहब ने अपनी रूलिंग दे दी है । प्रोग्राम के मुताबिक अब हमको आगे प्रोसीड करना चाहिए ।

श्री शमशेर सिंह : रूलिंग की बात उनकी तरफ से आनी चाहिए । उन्होंने रूलिंग नहीं दी है । डाक्टर साहब आप उनके मु ह में रूलिंग डालना चाहते हैं ।

राव बीरेन्द सिंह : हमारे प्वांयट्स का कोई खातिरख्वाह जवाब नहीं दिया गया है

मुख्य मन्त्री (चौधरी देवी लाल) : डिप्टी स्पीकर साहब, मैं कर्नल.... (व्यवधान) ।

डाक्टर मंगल सैन : आपके प्वांयट्स का जवाब दे दिया गया है ।

Mr. Deputy Speaker : Now we proceed with the election of the Speaker.

Shri Shamsher Singh : As a protest, we walk out.

राव बीरेन्द्र सिंह : मेरे प्वांयटस का आपने जबाब नहीं दिया हे इसलिए हम इस इलैक्शन में हिस्सा लेना ठीक नही समझते और वाक आउट करते हैं ।

(इस, समय सर्वश्री बीरेन्द्र सिंह (राव), शमशेर सिंह, मांगे राम गुप्ता, दलीप सिंह, इन्दरजीत सिंह, सुरेन्द्र सिंह और चौधरी बीरेन्द्र सिंह सदन से उठकर चले गए ।)

अध्यक्ष का चुनाव

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल) : मैं कर्नल राव राम सिंह का नाम स्पीकरशिप के लिए प्रोपोज करता हूं ।

उद्योग मन्त्री (डाक्टर मंगल सैन) : डिप्टी स्पीकर साहब, सदन के नेता चौधरी देवी लाल जी ने इस सदन के एक

आनरेबल मैम्बर कर्नल राव राम सिंह का नाम इस औगस्ट हाउस की स्पीकरशिप के लिए प्रोपोज किया है । डिप्टी स्पीकर साहब, मैं उसका समर्थन करता हूं ।

Mr. Deputy Speaker : Motion moved—

That Col. Rao Ram Singh, M.L.A . who is present in the House, do take the chair as Speaker of the Assembly.

Is there any other proposal ?

Voices : No.

Mr. Deputy Speaker : Since there is no other proposal, **I** declare Col. Rao Ram Singh duly elected as Speaker. (Thumping) **I** call upon him to take the Chair .

(At this stage Col. Rao Ram Singh, escorted by the Chief Minister, occupied the Chair)

मुख्य मन्त्री (चौधरी देवी लाल) : स्पीकर साहब, आपके यूनानिमस चुने जाने पर मैं लीडर आफ दी हा0स के नाते और जनता लैजिस्तेचर पार्टी का लीडर होने के नाते आपको मुबारिकबाद देता हू । मैं समझता हूं कि आपके हाथों में रूलिंग पार्टी और अपोजीशन पार्टी दोनों के राइट्स महफूज रहेंगे और होना भी ऐसा ही चाहिए । मैं अपोकीशन पार्टी को ज्यादा अहमियत देता हुं क्योंकि अगर अपोजीशन पार्टी मजबूत हो तो रूलिग पार्टी अच्छे ढंग से फंक्शन कर सकती है । मैं खास तौर से इस वास्ते भी अपोजीशन पार्टी के लिए आपका ध्यान दिला रहा

हूं क्योंकि मैं बहुत लम्बे अर्से तक अपोजीशन में रहा हूं । अब भी शायद थोड़ी देर के लिए आया हूं । हो सकता है मुझे भी अपोजीशन में जाना पड़ जाए । इसलिए मैं आपसे उमीद करता हूं कि अपोजीशन के हकूक आपके हाथ में मजबूत रहेंगे और आशा करता हूं कि आप रूलिंग पार्टी और अपोजीशन पार्टी के मैम्बर साहिबान को संतुष्ट रखेंगे । मै एक बार फिर आपको मुबारिकबाद देता हूं ।

उद्योग मन्त्री (डाक्टर मंगल सैन) : स्पीकर साहब, हम आपको हरियाणा विधान सभा के अध्यक्ष पद पर देखकर हार्दिक प्रसन्न हो रहे हैं । आपसे पहले जो माननीय सदस्य इस पीठ पर विराजमान थे, वे भी भारत की सेना में एक वरिष्ठ पद पर यानी ब्रिगेडियर के पद पर कार्य करते रहे और उन्होंने कार्य संचालन से यह सिद्ध कर दिया था कि सेना में रहते हुए उन्होंने जो योग्यता और प्रशिक्षण प्राप्त किया उससे उन्होंने सदन को बहुत अच्छी तरह चलाया । हरियाणा में ही नहीं बल्कि सारे देश में हरियाणा विधान सभा की प्रतिष्ठा को चार चांद लगाए । आप भी भारत की सेना के अवकाश प्राप्त सेना अधिकारी हैं और आपका जीवन भी बड़ा संघर्षमय रहा है । आपने अपने हाथों से कई लड़ाईया लड़ी हैं और अपने साहस, दूरदर्शिता, योग्यता तथा कार्य संचालन का बड़ा भारी प्रमाण दिया है । इसी कारण से पहली बार बड़े संघर्ष के बावजूद आप चुनाव में विजयी हुए और सरकार बनने के बाद जब आप मन्त्री परिषद में सम्मिलित हुए तो मेरा व्यक्तिगत अनुभव

है कि आप में अच्छे सिपाही और एक अच्छे सैनिक का जो गुण होता है कि वह हमेशा हर सही बात को करने के लिये तैयार हो जाता है, वह सब गुण आप मैं हैं । आपने शिक्षा विभाग के काम को जिस कार्य कुशलता, जिस योग्यता तथा लग्न के साथ चलाया उसी तरह हरियाणा वितान सभा के इस उच्चतम सिंहासन पर बैठकर आप उसी योग्यता का परिचय देंगे तथा हरियाणा विधान सभा के कार्य संचालन को बड़ी कुशलतापूर्वक करेंगे । हमारे माननीय नेता ने आपको आश्वासन दिया है कि ट्रेजरी बेन्चिज के सारे सदस्य आपका और आपके द्वारा दिये गये निर्णय का समर्थन करेंगे और इस हाउस की डिगनिटी, हाउस का डिकोरम और सदन की गरिमा को बनाए रखने में आपका पूरा साथ देंगे । इन शब्दों के साथ मैं एक बार फिर आपको बधाई देता हूं और अपना स्थान लेता हूं ।

श्री कन्हैया लाल पोसवाल (छछरौली) : स्पीकर साहब, आज आपके यूनानिमस चुने जाने पर मैं अपनी तरफ से मुबारिकबाद पेश करता हूं । यहां पर काफी अर्से से यह परम्परा रही है कि आला फौजी अफसर स्पीकर बनते रहे । आप जैसे हमारे बौर्डर्ज पर देश की रक्षा करते रहे, मैं पूरी उम्मीद रखता हूं कि यहा हाउस में भी सब मैम्बर्ज के हकूक की रक्षा करेंगे । एक कर्नल और ब्रिगेडियर में कोई खास फर्क नहीं होता । इनका लगभग एक ही लैवल है और आपसे पूरी तवक्को हुऐ कि आप उसी लैवल को बरकरार रखेंगे । मैं चौधरी देवी लाल को भी

मुबारिकबाद देता हूं कि वे इस तरह से आहिस्ता–आहिस्ता ट्रेनिंग दे रहे है कि कुछ लोगों को मिनिस्टर की ट्रेनिंग दे दी और अब कुछ को बदल दिया । कुछ को स्पीकर की ट्रेनिंग दे दी और अब बदल दिया । मैं चौधरी साहब से दरखास्त करूंगा कि इस ट्रेनिंग को ज्यादा लम्बी न बढ़ाएं क्योंकि एडमिनिस्ट्रेशन का काम भी ठीक होना चाहिए । मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हम हमेशा आपके साथ को.आप्रेट करेंगे, यही मेरी आपसे दरखास्त है ।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू (पाई) : स्पीकर साहब, आपके यूनानिमस इलैक्शन पर, आपके इ त्तफाक राय से चुने जाने पर मैं मुबारिकबाद पेश करता हूं और जिस तरह से हमारे ब्रिगेडियर साहब, श्री रण सिंह सब को बराबर समझते थे उसी तरह से मुझे उम्मीद है कि कोई मैम्बर चाहे किसी पार्टी का हो, चाहे किसी ग्रुप का हो आप भी बराबर समझेंगे । हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने आपको स्पीकर चुने जाने का जो मोशन मूव किया है वह बहुत ही ठीक है । मैं चौधरी साहब से प्रार्थना करता हूं कि इस ढांचे को सम्भाले और जो डिक्टेटरशिप आ रही है, दुबारा जो माहौल आ रहा है, उसको आगे न रगने दे क्योंकि (नो माहौल आ रहा है वह अच्छा नहीं है । आखिर में स्पीकर साहब, मैं आपको दुबारा मुबारिक्बाद देता हूं और उमीद करता हूं कि आप सब को बराबर समझेंगे ।

श्री मूल चन्द जैन (सम्भालका) : स्पीकर साहब, जैसे कि हाउस के नेता, उपनेता, श्री पोसवाल और चौधरी जगजीत

सिंह पोहलू ने आग्रको बधाई दी, मैं भी आपको सर्वसम्मति से स्पीकर चुने जाने पर दिल से बधाई पेश करता हू । जैसा कि अभी हमारे नेता ने विश्वास दिलाया और यह कहा कि आप रूलिंग पार्टी के मुकाबले अपोजीशन के अधिकारो की ज्यादा रक्षा करेगे, मैं इस बात का दिल से समर्थन करता हूं । मैं समझता हूं कि डैमोक्रेसी को कामयाब वनाने के लिए हमारे देश में कुछ मर्यादाएं स्थापित करने की आवश्यकता है । पिछले तीस वर्ष में जो मर्यादाएं स्थापित हुई हैं कभी–कभी उनको हिलता भी हम देखते है । मैं समझता हूं और विश्वास करता हू कि जैसे आपने अपने फौजी जीवन मईं निहायत शानदार तरीके से और आपसे पहले आपके प्रैडीसेसर, ब्रिगेडियर रण सिंह जी ने देश की रक्षा की, उसी प्रकार आप यहां भी इन जम्हूरी सिद्धान्तों की रक्षा करेंगे और इस हाउस के दोनों पक्षों के अधिकारों की रक्षा की उस शानदार रिवायात को भी कायम रखेंगें । उसकी एक कसौटी है स्पीकर साहब, कि कभी रूलिंग पार्टी को यह उतावलापन हो जाए कि हाउस में अपने किसी प्वायट को कैरी आउट कराना है लेकिन ऐसे मौकैं पर आप उस प्वांयट के विरोधी सदस्यो और अपोजीशन के सदस्यों के उन अधिकारों की रक्षा करने में सफल होगे जौकि पार्लियामैन्ट्री डैमोक्रेसी में उन्हें मिले हैं । ऐसी इन लोगों को आप से आशा है । इन शब्दो के साथ मैं आप को एक बार फिर बधाई देता हूं ।

श्रीमती सुषमा स्वराज : (अम्बाला छावनी) अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बात की बड़ी प्रसन्नता है कि पिछले दो तीन सैशन्ज में मेरी साथ वाली सीट पर बैठने वाले मेरे एक साथी, कर्नल राव राम सिंह जी आज अध्यक्ष पद पर विराजमान हुए हैं, सदन के इस गरिमामयी पद पर सर्वसम्मति से चुने जाने पर मैं आपको हार्दिक बधाई देती हूं । अध्यक्ष महोदय, मैं एक ही बात चाहूंगी कि किसी भी प्रजातांत्रिक पद्धति में, डैमोक्रैटिक सिस्टम में स्पीकर का पद एक बड़ा महत्व का पद होता है, ब्रिटिश पार्लियामैंट्री सिस्टम जिससे कि इंडियन डैमोक्रैटिकोसँस्टम में कुछ कन्वैन्शन्ज उधार ली गई हैं वहां यूक कहावत प्रचल्लित है 'Once a Speaker always a Speaker' यानि कि वहां स्पीकर के पद को इतना निष्पक्ष समझा जाता हैं, इतना गरिमामयी और इतना महत्वपूर्ण समझा जाता हे कि सदन में तो उसके विरोध की बात क्या, जनरल इलैक्शन में भी स्पीकर के विरोध में कोई व्यक्ति खड़ा नही होता । स्पीकर को निर्विरोध चु न कर भेजा जाता है । एक बार कनवैनशन को तोड़ने की कोशिश की गयी थी और किसी एक व्यक्ति ने स्पी कर के खिलाफ नोमीनेशन पेपर भी फाईल किये थे लेकिमें ब्रिटेन की जनता ने भारी बहुमत से उस व्यक्ति को वोटों से हरा कर यी साबित कर दिया था कि स्पीकर का पद महत्वपूर्ण है, निष्पक्ष है, उसको निर्विरोध चुना जाना चाहिये । आज मैं आपसे उमीद करती हू कर्नल के नाते जिस प्रकार आपने आर्मी की कनवैनशन्ज को निभाया है उसी त रह से आप इस सदन की मर्यादा को अपने फर्ज के मु ताबिक बड़ी ही

बखूबी से निभाएंगे और अपने रहते, अपनी टर्म में सत्ताधारी दल तो क्या, विरोधी दल के लोगों को भी कोई शिकायत का मौका नहीं आने दें गे, इतना कहती हु ई मैं एक बार फिर आपको निर्विरोध सर्व सम्मति से चुने जाने पर बधाई देती हूं ।

विकास एंव पंचायत मन्त्री (सरदार लछमन सिंह) : स्पीकर साहब, मैं आपको स्पीकर पद के लिये बिना मुक। बिले चु ने जौने पर हार्दिक मुबारिकबाद देता हूं । जिस प्रकार पहले स्पीकर बिने डियर रण सिंह जी ने इस हाउस की टेरडीशन और मर्यादा को जिस प्रकार से कायम रखा उसी तरह से हम आपसे भी यह उमीद रखते हैं कि आत भी अपनी सूझबूझ से और अगने पक्के इरादे से हमे हमेशा गाईड करते रहेगे । ब्रिगेडियर रण सिंह जो ने अभी पिछले 15 दिनों मैं तीन चार स्टेट्स के नये लेजिस्लेटर्ज के लिये एक टेर निंग कोर्स भी यहां पर खोला था ताकि जो नये मैम्बर आये हैं, उन को हाउस की कार्यविधि से वाकफियत हो सके । बिने डियर साहब की हर काम मे दिलचस्पी, उनके मन की उमंग काम करने क ढंग बड़ा ही निराला और खूबियों से भरा हु आ था । अब मैं आपसे दर्खास्त करूं गा, आप को जैसे कि अभी चौधरी साहब ने बतलाया कि अपोजीशन का ज्यादा ध्यान रखना चाहिये और ज्यादा टाईम नये. क्म्बर्ज साहिबान को बोलने का देना चाहिये ताकि वे इस हाउस की कार्यविधि को अच्छी तरह से जान सकें और ट्रेनिंग हासिल कर सकें । इन शब्दों के साल मैं फिर आपको मुबारिकबाद देता हूं ।

Brig Ran Singh (Beni) : Mr. Speaker, Sir, it is with a great sense of pride and pleasre that I rise today to offer you my heartiest congratulaions. I have known you over two decades. I know your qualities (well and particularly with your wonderful qualities) of head and heart, I have no doubt whatever, that you would carry out our duties well and the future of this august House is safe in your hands. One of my colleagues mentioned that there was a certain convention in U.K. about the election of Speaker i.e. once a Speaker, always a Speaker. I regret to say here in this august House that this convention should have been followed, in India long time ago and it is a good convention. But, unfortunately, there has been no understanding or agreement between the maj r political parties in this regard which is a must and as a result the Speakers in various States are following different conventions. I can assure you today although you have been elected Speaker unanimously in this House-that because there are no hard and fast conventions, you have the right, in fact there is no option to you but to take part in your party political activities. I am proud that you belong to the armed forces we so much cherish. We value discipline and decency in public life and, I am sure, you. being in the august Chair, will ensure that you conduct our proceedings in this House with dignity and decency, and in that you will have my full support and co-operation. (Thumping). Lastly, as the leader of the House has mentioned just now, I am sure, in your safe hands the rights and privileges of all the members, including those who belong to the Opposition, are safe. Thank you.

Shri Baldev Tayal (Hansi) : Mr. Speaker, Sir, it is my proud privilege to congratualte you today on your

unanimous electon. As you very well know, conventions and codified laws are different. Conventions are to be created, they are to be kept up, they are to be followed. conventions are not codified. They do not have the force of law but they do have the sanctity of morality. Mr. Speaker, Sir, you have discharged your duties as Minister very well and I have full faith that you will perform your duties quite well as a Speaker also. You will keep up the healthy conventions of this august House and that of this august Chair. Once again, I congratualate you on your unanimous election. Thank you.

चौधरी उदय सिंह दलाल (बादली) : स्पीकर साहब, मैं आपको इत्तफाक राय से स्पीकर चुने जाने पर हार्दिक कसाई देता हू और यह विश्वास करता हूँ कि जिस तरह से आपने फौज में अपने फर्ज को बड़ी सूझ–बूझ से निभाया है, उसी प्रकार से हमें आपसे पूरी उमीद है कि जब कभी हमारे साथियों के बीच कोई टसल वगैरह होगी तो आप उसे भी उसी सूझ बूझ के साथ निभायेंगे । मेरी भगवान से प्रार्थना है कि भगवान आपको वह शक्ति दे ताकि आप इस अपने पर आये भार को अच्छी तरह से निभा सकें और हाउस में अच्छी रिवायात को कायम कर सकें । इसके साथ–साथ मेरी आपसे दर्खास्त है कि आप इस हाउस में सब के साथ एक जैसा व्यवहार करें और सभी मैम्बरों को बोलने का एक समान मौका दें । इन शब्दों के साथ मैं यूक बार फिर आपको स्पीकर चुने जाने के।। लिये बधाई देता हूं ।

कामरेड शंकर लाल (सिरसा) : आदरणीय स्पीकर साहब, आज आपको इतफाक राय से यहां पर स्पीकर के पद के लिये चुना गया, जिसके लिये मैं आपको हार्दिक बधाई देता हूं । कर्नल साहब को इस पद के लिये चुना गया –१, बहु भी एक बड़ी खुशी की बात है क्योंकि स्पीकर का यह पद बहुत ही आदरणीय, बहुत ही इज्जत वाला और बहुत ही 0ंचा होता है, यह पद सबसे श्रेष्ठ होता हे । अब आप सचमुच ये ही सम्मान के योग्य हैं और स्पीकर साहब का यह फर्ज हो जाता है कि वे जितने दिनों तक यहां के स्पीकर रहे, यहां हाउस के तमाम मैम्बरों को समानता के आधार पर मानें और सब के साथ एक जैसा व्यवहार करें और सब को यहां पर बोलने का समान मौका दें । इन शब्दों के साथ मैं आपको एक बार फिर मुबारिकबाद देता हूं ।

चौधरी रिजक राम (राई) : स्पीकर साहब, आपके सर्वसम्मति से बतौर स्पीकर चुने जाने पर सब को खुशी है । बहुत थोड़े नोटिस पर यह इजलास बुलाया गया इसलिए बहुत से मैम्बरान के दिलों में यह खदशा था कि स्पीकर के चुनाव में कही कोई चूक न हो जाए । लेकिन ऐसा नहीं हुआ । बहुत योग्य आदमी –इस औहदे पर विराजमान हुए हैं । मुख्य मन्त्री की सिलैक्शन पर और सर्वसम्मति से आपके इलैक्शन पर सब को सन्तुष्टि है कि बहुत योग्य आदमी ने यह महत्वपूर्ण पद सम्भाला है । जहां तक ब्रिगे डियर रण सिंह का ताल्लुक है, ये संघर्ष के दिनों में भी और अमन के दिनों मे भी स्पीकर रहे । सरकार से

टक्कर 'भी लेते रहे और सर–गर की थोड़ी बहुत रक्षा भी करते रहे । (व्यवघान) प्रैस का भी ध्यान रखते रहे । मैं समझता दूं कि ये बहुत अच्छे आदमी है और मैं दिल से इनकी इज्जत करता हू । जिस दोस्ती को उन्होने निभाते हुए त्याग पल दिया है उसकी मैं सराहना करता हू । स्पीकर साहब, ब्रिगेडिय र साहब ने फरमाया कि स्पीकर रहते हुए पार्टी–पालिटिक्स में हिस्सा ले सकते हैं, यह बड़ा कंट्रोवर्शियल प्वायंट है । स्पीकर के लिए आभूषण निष्पक्षता का है । निष्पक्षता यह नही कि स्पीकर निष्पक्ष रहता हुआ ही दिखाई दे । बल्कि स्पीकर की तरफ से हर एक सदस्य को उसकी कार्यवाही से, उसके व्यवहार से तसल्ली रहे, सब को सन्तुष्टि रहे । इस तरह की निष्पक्षता होनी चाहिए । इन्साफ करना और बात है । इन्साफ करते समय यह जाहिर हो कि इंसाफ होगा, यह ज्यादा जरूरी बात है । अगर कोई स्पीकर इस औहदे पर बैठकर गुटबन्दी में हिस्सा लेता है तो जो परम्पराएं मदर पार्लियामैंट ने स्थापित की है, उनके खत्म होने का अंदेशा है । स्पीकर आज तक एक पार्टी में था लेकिन आज के बाद इस औहदे पर सर्वसम्मति से स्पीकर के पद पर चुने जाने के बाद किसी पार्टी में नही हैं । आपके पर सब मैम्बरान का भरोसा होना लाजमी है । जहा तक आपके गुणों क ताल्लुक है, मुझे आपसे बतौर वजीर वास्ता पड़ा है । सब लोग आपकी योग्यता से । आपकी उदारता से, आपके काम करने के ढंग से बड़े खुश हैं और जो पद आपने आज सम्भाला है उससे हर एक की सन्तुष्टि होगी । एक बात की मुझे और भी खुशी है कि चन्द दिन पहले आपने वजीर के नाते

हलफ लिया था । इस चीज को देखते हुए आपको वजीर भी रखते और स्पीकर भी रखते । (व्यवधान) इन शब्दों के साथ मैं आपको इस पद पर सर्वसम्मति से चुने जाने पर दोबारा बधाई देता हूं ।

श्रीमती शकुन्तला भगवाडिया (बावल–अनुसूचित जाति) : स्पीकर साहब । सर्व– सम्मति से स्पीकर के पद पर चुने जाने कं उपलक्ष्य मै आप बधाई के पात्र हैं । मेरे लिए तो आज का दिन बड़े हर्ष का दिन है क्योकि महेन्द्रगढ़ जिला बहुत पिछड़ा हुआ जिला है और इस जिले का प्रतिनिधित्व हम दे (नो को सौंपा गया है । आज आपके पद को देखते हुए मैं गर्व से फूली नही समाती । आज महेन्द्रगढ जिले का पद भी 0चा हो गया है और मुझे उमीद है कि जिस प्रकार आपने कर्नल के पद को निभाया है उसी प्रकार आप इस स्पीकर के पद को भी सच्ची भावना और ईमानदारी के साथ निभायेंगे । इन शब्दों के साथ मैं आपको दोबारा बधाई देती हू ।

श्री जगन नाथ (बवानीखेडा–अनुसूचित जाति) : माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके सर्वसम्मति से अध्यक्ष के पद पर निर्वाचित होने से आप बधाई के पाव तो है ही लेकिन इससे सुषमा जी नाराज है क्योंकि आप दोनों इक्ट्ठे बैठते थे, और अब आप पर चले गये और ये पीछे चली गई । (व्यवधान) इनको घबराना नही चाहिए क्योंकि मेरा भी इन वाला ही रास्ता है (कुछ भूतपूर्व मन्त्रियों की तरफ इशारा करते हुए) लेकिन इन दोनो

बेचारों ने आपका क्या बिगाड़ा था (व्यवधान) इसलिए मैं ज्यादा बात न कहते हुए इतना ही कहना चाहता हूं, चौधरी उदय सिंह दलाल वाली बात है, मेरी आपसे दर्खास्त है कि इन सब का ध्यान बराबर रखे ।

श्री भले राम (बड़ौदा–अनुसूचित जाति) : स्पीकर साहब, आपके अध्यक्ष पद के लिए चुने जाने पर मैं आपको हार्दिक बधाई देता हूं । इसके साथ ही साथ मुझे इस बात की दिल से प्रसन्नता हए कि जब मेरा आपके साथ अटैचमैट हुआ था (हंसी).

श्री अध्यक्ष : ट्रांस्फर वाली बात आपको याद होगी ।

श्री भले राम : मैं आपके सम्पर्क ये तो नही आ सका लेकिन आपने एक्रू साल के दौरान एजुकेशन विभाग में देहा की उन्नति के लिए जो. कार्य किया जिस काबलीयत और योग्यता से शिक्षा विभाग में जो–जो सुधार किए, उनके लिए आप बधाई के पाल हैं । इन शब्दो के साथ मैं आपको बधाई देता हूं और आशा रखता हूं कि हाउस की जो मर्यादा है,कन्वैनशनज है उनको निष्पक्षता के साथ निभायेगे । हाउस की कार्यवाही चलाने के लिए ये चीजें बहुत जरूरी हैं । मै आशा करता है कि आप हमे पूरा सहयोग देगें और हम भी अपनी तरफ से आपको सहयोग देने का आश्वासन देने है ।

चौधरी भजन लाल (आदमपूर) : स्पीकर साहब, आपके सर्वसम्मति से स्पीकर के पद पर चुने जाने पर मैं आपको

बधाई देता हु और आशा करता हूं कि आप हाउस की गरिमा को बहुत 0ंचा रखेगे और अच्छे ढंग से हाउस को चलायेंगे जैसे आपने अरने जीवन–काल में मिल्ट्री(में रह कर, बहुत अच्छे ढंग से देश की रक्षा की है । जितनी आपकी तारीफ की जाए उतनी ही कम है । मैं समझता है कि आप हाउस की गरिमा को और हाउस की प्रतिष्ठा को पार्टी लेव न से पर उठकर कायम करेंगे । जैसा कि मेरे से पहले बोलने वालों ने कहा है, मैं भी उसी बात पर जोर देना चाहता हूं कि आप नये सदस्यों का ज्यादा थे–यनि रखेंगे और इमके साथ ही साथ अपोजीशन का भी ध्यान रखेगे आपका हृदय से धन्यवाद करते हुए आशा करता हूं कि आप पार्टी से पर रह कर हम सब का ध्यान रखेंगे और हाउस की गरिमा को बनाये रखेंगे ।

चौधरी लाल सिंह (नारायणगढ) : स्पीकर साहब, आपके सर्वसम्मति से चुने जाने पर हरियाणा के लिए बड़ी खुली की बात है । विशेषकर हरियाणा असैम्बली के लिए बड़ी खुशी की बात हैं। मैं मुख्य मन्त्री जी को बधाई देता हूं जो फौज के अफसरों को छांट कर यहा लाये है । जिस प्रकार से आप हामारी रक्षा फौज में करते थे उसी प्रकार यहाँ भी हमारी रक्षा करेंगे । इसके लिए आप बधाई के पात्र हैं । जैसे आपने फौज की और देश की रक्षा की तथा उमके बाद एजुकेशन डिपार्टमैंट की रक्षा की उसी तरीके से मैं आपसे प्रार्थना करूंगा कि 5 साल तक इस असैम्बली को कायम रखना और इसकी रक्षा करना ।

श्री लहरी सिंह मेहरा (रादौर–अनुसूचित जाति) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे आपको इस चेयर पर देख कर बड़ा हर्ष हो रहा है । आपको यूनानिमसली इस चेयर पर बैठा कर मुझे बड़ी खुशी हो रही है । जिस प्रकार सैं आपने अपने पिछले फौज के टाईम में इस देश की रक्षा करने में दिन रात एक किया और ऐडी चोटी का पसीना एक किया, उसी तरह से मुझे विश्वास है । क्योंकि एक बड़े काबिल आदमी को हमने इम सीट पर बिठाया है, हमें निष्पक्ष फैसले मिलें गे और हम नए सदस्यों को आप ज्यादा से ज्यादा टाईम देंगे । इन शब्दो के साथ मैं आपको दोबारा मुबारिकबाद देता हू ।

चौधरी सन्त कंवर (हसनगढ) : स्पीकर साहब, आपके यूनानिमसली चुने जाने पर मैं तमाम नौजवान मैम्बरों की तरफ से आपको बधाई देता हू । सबसे खुशी की बात यह है कि आपने आरने सारे जीवन काल के दौरान में निष्पक्षता और संघर्ष का जीवन बिताया । पिछले एक साल के दौरान भी आपने हमारे बीच में रह कर शिक्षा विभाग में सराहनीय काम किया । अब भी हम आपसे उमीद रखते हैं कि हाउस के अन्दर आप तमाम पक्ष के लोगों को एक न नर से देखकर अपनी निष्पक्षता का सबूत देंगे । जिस तरीके से माननीय बिगेडियर रण सिंह साहब ने हाउस के नौजवान मैम्बरान की परफारमैन्स अचछी बनाने के लिए कोशिशें की, उसी तरह से हम आपसे भी उमीद रखते है कि आप भी अपने अध्यक्ष पद के दौरान तमाम नए लोग जो चुन कर आए हैं, उन

लोगों की परफारमैन्स अच्छी बनाने के लिए भरसक प्रयत्न करेंगे । इन शब्दों के साथ मैं दोबारा आपको बधाई देता हूं ।

स्वामी अग्निवेश (पुन्डरी) : माननीय अध्यक्ष जी, आज आपके अध्यक्ष चुने जाने के अवसर पर मैं आपको हार्दिक बधाई देता हूं और इसके साथ ही एक छोटा सा निवेदन भी करना चाहता हूं । हरियाणा विधान समा के अधिशनों में हम कई बार अंग्रेजी भाषा का बहुत इस्तेमाल कर लेते है । मेरी आपसे प्रार्थना हैं कि हम आगे से अधिक से अधिक हिन्दी भाषा में कार्य करे । आपके नेतृत्व में, आपकी अध्यक्षता में एक स्वस्थ परम्परा यदि हम डाल सकेंगे तो मै समझता हू कि आम जनता, गरीब लोग, किसान एंव मजदूर जो हमारा अधिवेशन देखने के लिए आते हैं उनको हमारे अधिवेशन की सारी कार्यवाही समझने में और हमारे सोचने में, योगदान दे ने में बहुत सुविधा होगी । अध्यक्ष महोदय, मुझे पता है कि आप बड़ी अच्छी हिन्दी जानते है । मैं यह बात भावावेश में आकर नही कह रहा हूं परन्तु हिन्दी चू कि हमारी जन भाषा सऐ और राष्ट्रभाषा है इसलिए मैं पूरी आशा रखता हू कि निष्पक्ष ता से इस सदन की कार्यवाही चलाने के साथ–साथ आप इस बात का भी पूरा ध्यान रखेंगे ।

श्री अध्यक्ष : मैं स्वामी जी से सहमत हूं सि हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग होना चाहिए लेकिन स्वामी जी से मैं एक रिक्वैस्ट करूंगा कि कभी–कभी ऐसी बात कहनी होती है जिसके लिए इंगलिंश का इस्तेमाल करना पड़ता सऐ । ऐ से हालात में मैं

स्वामी जी से रिक्वैस्ट करूंगा कि वे भी अपना प्रो सहयोग हमें दें ।

चौधरी गंगा राम (गोहाना) : माननीय अध्यक्ष जी, निर्विरोध आपका निर्वाचन हुआ है इसके लिए मैं आपको बहुत बधाई देता हूं । मैं तो आपसे केवल एक प्रार्थना करूंगा कि हम यहां पर नए विधायक ज्यादा है। कई बार हमारे से प्रोसीजर के मामले में और बोलने के मामलों में गलतियां हो भी जाती है । मुझे आशा है आप इन सब बातों को महसूस नहीं करेंगे बल्कि जैसे हमारे पिछले स्पीकर, ब्रिगेडियर साहब, हम सबै नए विधायकों को उत्साहित करते थे, हमें बोलने के लिए अधिक समय देते थे और अपने चौम्बर ने बु ला कर हमें गाईडैन्स भी देते थे, उसी तरह से आप करेंगे । आप हमे ट्रेनिग भी देंगे । मैं आशा रखुगा कि जो नए विधायक हैं उन्हें हाउस में आप अधिक से अधिक समय देने की कोशिश करेंगे क्योंकि जो पुराने विधायक हैं जैसे चौधरी भजन लाल जी हैं, ये तो हाउस में बोलते ही रहे हैं, आगे भी पता नहीं अदालतों में और कमीशनों में इन्होंने कितना बोलना है । (विघ्न) इसलिए मैं आपसे आशा करूंगा कि आप हम नए विधायकों को ज्यादा से ज्यादा समय बोलने के लिए देंगे । इन शब्दो के साथ मैं आपको दोबारा बधाई देता हूं । (विघ्न)

चौधरी भजन लाल' : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कुछ अदालतों में और कमीशनों में बोल ने के बारे में बात की है मैं उसे ठीक से समझा नहीं हूं । लेकिन मैं इन्हें इतना बता देना

चाहता हूं कि कमीशनों में ज्यादतियों और कुरप्शन के खिलाफ शहादत हमने खूब दे रखी है । जिन लोगों के खिलाफ अब कमीशन बैठेंगे उनमें भी हम शहादत देने मैं पीछे नही रहेंगे । (विघन) किताब भी मैं साथ लाया हूं परन्तु इनको तो बोलने का ही ढंग नही है । (विघ्न)..

श्री जब नारायण (कलानौर–अनुसूचित जाति) : अध्यक्ष महोदय, बहुत खुशी की बात है कि आज सर्वसम्मति से आप इस पद पर चुने गए । जिस तरीके से आपने एक साल के दौरान ऐजुकेशन डिपार्टमैंट में चार चांद लगाए हैं उसी तरीके से हम आशा करते हैं दिन दुगुनी और रात चौगुनी मेहनत करके आप इस नई जिम्मेवारी को बड़ी कुशलता से निभायेंग और हम नए मैम्बरो को ज्यादा से ज्यादा वक्त देने की कृपा करेंगे । इन शब्दों के साथ मै आपको एक बार फिर बधाई देता हू ।

चौधरी हरस्वरूप बूरा (मेहम) : अध्यक्ष महोदय, मैं भी आपको इस पद के पर चु ने जाने के उपलक्ष में बधाई देने के लिए खडा हुआ हूं । बहुत कुछ इस हाउस के नौर्मज को कायम रखने के लिए कहा जा चुका है लेकिन एक बात मैं फिर दोहराना चाहता हूं । जो इस कुर्सी की विशेषता है, जो इससे उमीद की जाती है वह यह है कि स्पीकर के पद पर जाने के बाद व्यक्ति को पार्टी पौलिटिक्स की बात नही करनी चाहिए । यही आपसे हम उमीद रखते हैं । इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए एक बार फिर आपको बधाई देता हूं ।

Mr. Speaker : Hon. Members, I am deeply beholden to this august House for this unique honour that it has bestowed on me. I think everybody will agree with me that the Speaker's job is not a bed of roses and carries onerous duties and responsibilities. I will not be performing a mere ritual if I state here that I shall not only be strictly neutral and impartial and shall do so to the best of my capabilities but will also endeavour my utmost to appear to be neutral and impartial in letter and spirit.

I accept this new assignment in all humility. I am conscious of the fact that I am stepping into the shoes of my illustrious predecessor, Brig. Ran Singh, who during his tenure of Speakership from 1968 to 1972 as also during the past 10 months, conducted the proceedings of this House with great dignity and distinction. His remarkable observations and rulings, as the recent one on the harmonious relations between the Legislators and the Press will ever remain a land-mark in Parliamentary democracy and the Presiding Officers and Legislators all over the country will cherish this great legacy.

The young State of Haryana is passing through a critical period in its short span of life. We are living in a momentous and epoch making era of history. There is no doubt in my mind that for the

re-establishment and upkeeping of democratic traditions both the Treasury Benches and the Opposition play equally important roles and I can only request both to uphold the democratic traditions and work for the progress of our mother-land, the

sacred soil of Haryana, for amelioration of the weaker sections of the society and particularly for the uplift of the Harijans. As already stated by me at the outset, on my part, I can give you my word of honour both as the Speaker of this august House and as an-ex-officer of the incomparable Indian army that I shall endeavour to conduct the proceedings of this House in a fair and impartial manner without fear or favour.

I avail of this opportunity to share my belief with you that no parliamentary conventions or precedents can be adopted piece-meal. I am of the firm conviction that unless all the major political parties in India come to a definite agreement that the Speaker will be returned unopposed in the next general elections, it will be wholly suicidal to de-politicalise the office of the Speaker. All of us are here to serve the State and its people, who are our real masters. It is, therefore, incumbent on us that all our actions should be guided by the sole consideration of their progress and welfare and we must be inspired in our actions by the larger interest of the State and its people.

Democracy is a form of Government implying free discussion and debate, consensus of the majority view-point and the ultimate decision of the House. In this great task all the Members of the House are co-partners and they owe equal responsibilities whether they are sitting on the right or on the left. May I, therefore, vie

you, in all earnestness that lel our discussions be free and fair devoid of acrimony and rancour and let there be no criticism for the sake of criticism. I also wish that the deliberations here should be frequent, free, frank and ,fearless

and made in a constructive manner.

I would also like to say that during my tenure as a minister if I have committed any mistake or error... या मैंने किसी आनरेबल मैंम्बर को अनाए किया है या मुझ से कोई गलती हुई है, उस दौरान में जब मै मिनिस्टर की पोस्ट पर था, मै उसकी हयूमिंलिटी के साथ माफी मांगता हू । मै चाहता हूं कि मुझे आप सबका सहयोग मिले, इस मुश्किल काम को करने के लिए । मै वायदा करता हुं कि मैं आपको पूरा सहयोग दू गा और जो भी नये मैम्बर आये है उनकी जो. मदद हो सकती है उसके लिये हमेशा हाजिर रहूगा ।

चौधरी पीर चन्द : क्या सब को टाईम मिलेगा?

श्री अध्यक्ष : हां सब को without any fear or favour.

Before, I resume, my seat, I thank you once again and pray to Almighty God that with His blessings and help and co-operation of all of you, I will be able to perform my onerous task with confidence. So help me .God.

Thank you

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Industries Minister (Dr. Mangal Sein) : Sir, I beg to move—That the Assembly now stands adjourned sine-die.

Mr. Speaker: motion moved-

That the Assembly now, stand adjourned, sine-die.

स्वामी अग्निवेश : स्पीकर साहब । मेरी ऐंक प्रिवलिज मोशन थी.

Mr. Speaker : Please take your seat.

Question is

That the Assembly now stands adjourned sine-die.

The motion was. carried.

14.54 बजे

(The Sabha then *adjourned ed sine-die.)